Resource: मुख्य शब्द (Biblica)

Biblica Study Notes (Key Terms) © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license. Biblica Study Notes has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文)from Biblica Study Notes © 2023 Biblica Inc. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual.

मुख्य शब्द (Biblica)

च

चमत्कार

परमेश्वर की ओर से पराक्रमी कार्य। इन्हें चिन्ह और चमत्कार, अद्‌भुत चीज़ें और शक्तिशाली कार्य भी कहा जाता है। वे दिखाते हैं कि परमेश्वर ही सच्चा परमेश्वर है। वे दिखाते हैं कि उसके पास मौजूद किसी भी चीज़ से अधिक शक्ति और अधिकार है। परमेश्वर कुछ लोगों को चमत्कार करने की शक्ति देते हैं। वे ऐसा दूसरों को यह विश्वास दिलाने में मदद करने के लिए करते हैं कि परमेश्वर वही है जो वह कहता है कि वह है। जब यीशु पृथ्वी पर थे तब उन्होंने परमेश्वर के सामर्थी कार्य किये। उसने अपने अनुयायियों को चिन्ह और चमत्कार करने की शक्ति भी दी।

चरवाहा

कोई व्यक्ति जो भेड़ों या अन्य पशुधन की देखभाल करता है। पुराने नियम में अब्राहम और उनके परिवार के कई लोग चरवाहे थे। वे अपने झुंड के लिए घास खोजने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे। यह उन अगुओं के बारे में बात करने का एक तरीका भी है जो अन्य लोगों की देखभाल करते हैं। इस्राएल के अगुओं को अक्सर बुरे चरवाहों के रूप में वर्णित किया गया था। परमेश्वर अपने लोगों के लिए अच्छे चरवाहे थे। नए नियम में, कलीसिया के अगुओं को यीशु के अनुयायियों का चरवाहा होना चाहिए। स्वयं यीशु परमेश्वर के लोगों के अच्छे चरवाहे हैं।

चार जीवित प्राणी

यहेजकेल और युहन्ना द्वारा दर्शनों में देखे गए आत्मिक प्राणी। यशायाह के दर्शन में सेराफ की तरह, वे परमेश्वर की महिमा करते हैं। वे परमेश्वर की उपासना करते हैं और वही करते हैं जो परमेश्वर चाहते हैं। यहेजकेल ने उन्हें करूब कहा। वाचा के सन्दूक के ऊपर इन प्राणियों की आकार बने हुए थे।

चिट्ठियाँ डालना

लोगों को किसी चीज़ के बारे में निर्णय लेने में मदद करने की एक प्रक्रिया। यह उन लोगों के समूहों में बहुत आम था जो इस्राएलियों के आसपास रहते थे। परमेश्वर ने अपने लोगों को इस प्रथा का उपयोग करने की अनुमति दी। यह ठीक से ज्ञात नहीं है कि लोगों ने चिट्ठियाँ डालते समय क्या किया। इस्राएली विश्वास करते थे कि चिट्ठियाँ डालने के माध्यम से परमेश्वर उन्हें समझदारी से चुनाव करने के लिए मार्गदर्शन करते थे।

चेले

जो किसी शिक्षक या अगुए का अनुसरण करता है।चेले वही करते हैं जो उनका शिक्षक करता है और उनके जैसे ही रहते हैं। जब यीशु ने इस्राएल में काम किया, तो उन्होंने कुछ चेलों को अपने सबसे करीबी अनुयायी बनने के लिए चुना। वे 12 थे जैसे इस्राएल की 12 जनजातियाँ थीं। 12 चेलों को भी प्रेरित कहा जाता था। (12 जनजातियाँ, प्रेरित)